



व्यापार की योजना

आय सृजन गतिविधि – बांस शिल्प

द्वारा

स्वयं सहायता समूह



एसएचजी/सीआईजी नाम	::	भगौर - 2
वीएफडीएस नाम	::	गाहलियाँ
श्रेणी	::	ज्वालामुखी
विभाजन	::	देहरा

इसके अंतर्गत तैयार किया गया:

हिमाचल प्रदेश के वन पारिस्थिकी तंत्रों के सुधार के लिए परियोजना प्रबंधन एवं आजीविका (जाईका)

विषय सूची

क्रमांक	विवरण	पृष्ठ/पृष्ठों
1.	परिचय	3
2.	पृष्ठभूमि	3
3.	एसएचजी/सीआईजी का विवरण	4
4.	लाभार्थियों का विवरण	5
5.	गांव का भौगोलिक विवरण:	6
6.	प्रबंध	6
7.	उत्पादन की योजना	7
8.	अनुमोदित उत्पादन	8
9.	विपणन विक्री का विवरण	8
10.	बांस के उत्पाद बनाने की प्रक्रिया	9
11	स्वोट अनालिसिस	10
12.	मशीनरी, औजार और अन्य उपकरणों	11-12
13.	महीने में कुल उत्पादन और विक्री राशि	12
14.	लाभ का बंटवारा	12
15.	निधि के स्रोत और खरीद	13
16.	प्रशिक्षण /क्षमता निर्माण /कौशल उन्नयन	13
17.	ऋण चुकौती अनुसूची	13
18.	निगरानी विधि	14
19.	टिप्पणी	14
20.	समूह सदस्यों की तस्वीरें	14
21	अनुमोदन पत्र	15-16

1 परिचय

हिमाचल प्रदेश भारत के उत्तरी भाग में स्थित एक राज्य है, जो पश्चिमी हिमाचल में स्थित है। यहाँ की भू-आकृति विविध है, जिसमें कई पर्वत शिखर और एक विस्तृत नदी प्रणाली शामिल है। हिमाचल प्रदेश को "ईश्वर की भूमि" के नाम से जाना जाता है और यह अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है। हिमाचल प्रदेश वनस्पित और जीव-जंतुओं से समृद्ध है। हिमाचल प्रदेश में 12 जिले हैं और कांगड़ा राज्य के 12 प्रशासनिक जिलों में से एक है। कांगड़ा जिले को पैंतीस प्रशासनिक उप-मंडलों में भिवाजित किया गया है। कांगड़ा जिले का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 5,739 वर्ग किलोमीटर है और 2011 की जनगणना के अनुसार इसकी जनसंख्या 1423794 है।

इस जिले में 733 मीटर की ऊंचाई से लेकर विभिन्न घाटियों तक फैली हुई हैं। कांगड़ा जिला जालंधर दोआबा से लेकर हिमालय की दक्षिणी पर्वत श्रृंखलाओं तक विस्तृत रूप से फैला हुआ है। यह बनेर नदी और मांझी नदी के संगम पर स्थित एक कस्बा है और ब्यास नदी यहां की एक महत्वपूर्ण नदी है।

बांस के बारे में

बांस एक बहुमुखी और टिकाऊ सामग्री है जिसका उपयोग फर्नीचर और हस्तिशिल्प से लेकर वस्त्र और निर्माण सामग्री तक विभिन्न प्रकार के उत्पादों के निर्माण में किया जा सकता है। बांस तेजी से बढ़ता है, जिससे यह एक अत्यधिक नवीकरणीय संसाधन बन जाता है जिसे पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना काटा जा सकता है। एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के कुछ हिस्सों सहित कई विकासशील देशों में, बांस स्थानीय समुदायों को आय के अवसर प्रदान करके गरीबी उन्मूलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अलावा, टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों की मांग विश्व स्तर पर बढ़ रही है,

जिससे बांस से बने उत्पादों के लिए एक बाजार का निर्माण हो रहा है, जिससे उत्पादकों और उपभोक्ताओं दोनों को लाभ हो सकता है। बांस के उपयोग को बढ़ावा देकर और स्थानीय कारीगरों और समुदायों को उनके उत्पादन प्रयासों में सहयोग देकर, व्यक्ति उच्च गुणवत्ता वाले, पर्यावरण के प्रति जागरूक उत्पादों का लाभ उठाते हुए गरीबी कम करने और सतत विकास में योगदान दे सकता है।

बांस से बने उत्पाद जैसे बांस के फर्नीचर, फर्श, बर्तन और यहां तक कि बांस का कोयला भी अपनी पर्यावरण-अनुकूल प्रकृति और टिकाऊपन के कारण वैश्विक बाजारों में लोकप्रिय हो गए हैं। बांस के उत्पादों के उत्पादन और बिक्री में शामिल होकर, गरीब समुदाय बांस की खेती, कटाई, प्रसंस्करण और हस्तिशिल्प जैसी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से आय अर्जित कर सकते हैं।

1. एसएचजी/सीआईजी का िववरण

2.1	एसएचजी/सीआईजी नाम	::	भगौर - 2
2.2	वीएफडीएस नाम	::	गाहलियाँ
2.3	श्रेणी	::	ज्वालामुखी
3.4	िवभाजन/डिविशन	::	देहरा
3.5	गाँव	::	भगौर
3.6	अवरोध पैदा करना	::	ज्वालामुखी
3.7	िज़ला	::	कांगड़ा , हिमाचल प्रदेश
3.8	स्वयं सहायता समूह में सदस्यों की कुल संख्या	::	08 – महिलायें
3.9	गठन की ितिथ	::	07-10-2022
3.10	बैंक खाता संख्या	::	50100530476769
3.11	बैंक िववरण	::	HDFC देहरा
3.12	स्वयं सहायता समूह/सीआईजी मािसक बचत	::	50/- रुपये
3.13	कुल बचत/मािसक	::	400/- रुपये
3.14	कुल अंतर-ऋण	::	-
3.15	नकद ऋण सीमा	::	-
3.16	भुगतान की स्िथित	::	-

सदस्यों की सूची: -						
क्रमांक	नाम और पत्नी	पद का नाम	Gen/OBC /SC/ST	आयु	योग्यता	मोबाईल नंबर
1	निशा रानी w/o वीर सिंह	अध्यक्ष	SC	33	12 th	9015022177
2	भारती देवी w/o सुशील कुमार	सचिव	SC	25	8 th	7807566328
3	राज कुमारी w/o विषणदास	सदस्य	SC	37	5 th	7807251175
4	वीणा देवी w/o दिलभाग	सदस्य	SC	25	5 th	9015022177
5	रानी देवी w/o साकीन चंद	सदस्य	SC	33	8 th	8894243705
6	कौशल्या देवी w/o विशंभर दास	सदस्य	SC	65	5 th	8627034175
7	कांता देवी w/o मेहर चंद	सदस्य	SC	48	5 th	8894621186
8	रानी देवी w/o कुमान राम	सदस्य	SC	38	5 th	9805538510

गाहलियाँ गांव का भौगोलिक विवरण

4.1	जिला मुख्यालय से दूरी	::	80 किलोमीटर
4.2	रेंज कार्यालय से दूरी	::	12 किलोमीटर
4.3	मुख्य सड़क से दूरी	::	1 किलोमीटर
4.4	स्थानीय बाजार का नाम और दूरी	::	जवालमुखी , नादौन 10 किलोमीटर
4.5	मुख्य बाजार का नाम और दूरी	::	देहरा 10 किलोमीटर, ज्वालामुखी 10 किलोमीटर और नादौन 10 किलोमीटर
4.6	मुख्य शहरों के नाम और दूरी	::	नादौन और ज्वालामुखी 10 किलोमीटर , देहरा 10 किलोमीटर
4.7	उन स्थानों/स्थानों के नाम जहां उत्पाद बेचा/ विपणन किया जाएगा		देहरा 10 किलोमीटर, ज्वालामुखी 10 किलोमीटर और नादौन 10 किलोमीटर

4. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

क्रमांक	विवरण	विवरण
1.	उत्पाद का नाम	बांस शिल्प
2.	उत्पाद की पहचान करने की विधि	यह गतिविधि स्वयं सहायता समूह के सदस्यों द्वारा तय की गई है। इसके अलावा, स्वयं सहायता समूह के दो से तीन सदस्य पहले से ही इस गतिविधि में लगे हुए हैं। स्थानीय बाजार में इसकी भारी मांग है, जिससे अतिरिक्त आय में वृद्धि होगी।
3.	स्वयं सहायता समूह/ सीआईजी/ क्लस्टर सदस्यों की सहमित	हाँ

4. उत्पादन नियोजन विवरण :

बांस से बने शिल्प या उत्पादों की उत्पादन योजना में, कुशल और प्रभावी निर्माण प्रक्रियाओं को सुनिश्चित करने के लिए कई महत्वपूर्ण चरण शामिल होते हैं।

- कच्चे माल की सोर्सिंग:** पर्वतमाला के निकट वन क्षेत्र और गहिलयां स्थित वन विकास समिति के पास के वन क्षेत्र के साथ-साथ स्थानीय निजी भूमि से प्राप्त कच्चा माल बांस शिल्प गतिविधियों के लिए कच्चे माल का स्थायी स्रोत होगा।
- उत्पादन प्रक्रिया की योजना:** इस चरण में बांस को वांछित उत्पाद में बदलने के लिए आवश्यक निर्माण प्रक्रियाओं का निर्धारण शामिल है। इसमें बांस को काटने, आकार देने और जोड़ने के लिए उपयुक्त औजारों, उपकरणों और तकनीकों का चयन करना शामिल है।

(क) उत्पादन की योजना

क्रमांक	काम कर दिन	काम करने वाले व्यक्ति	सामग्री का स्रोत
1.	25 दिन /माह	08 सदस्य	स्थानीय वन क्षेत्र और निजी भूमि
	प्रति वर्ष 300 दिन		

3. **लागत अनुमान और बजट निर्धारण:** -उत्पादन से जुड़ी लागत, जिसमें कच्चा माल, श्रम, अन्य खर्च और अन्य सभी व्यय शामिल हैं।

अनुमानित उत्पादन:

क्रमांक	औसत उत्पादन/दिन	प्रति महीने	बाषिक
1.	08*200 = 1600 रुपये	40,000 रुपये/-	480000 रुपये/-

4. **उत्पादन समय-निर्धारण:** -उत्पादन अनुसूची विकसित करना जिसमें कार्यों का क्रम, उत्पादन समय सीमा और संसाधनों का आवंटन शामिल हो, ताकि उत्पादों की समय पर डिलीवरी सुनिश्चित हो सके।

5. **पैकेजिंग:** -उत्पादों के परिवहन और भंडारण को सुनिश्चित करने के लिए पैकेजिंग संबंधी आवश्यकताओं की योजना बनाना आवश्यक है। बांस से बने उत्पादों के उत्पादन नियोजन में इन चरणों का पालन करके, निर्माता अपने संचालन को सुव्यवस्थित कर सकते हैं, गुणवत्ता मानकों को बनाए रख सकते हैं और ग्राहकों की मांगों को प्रभावी ढंग से पूरा कर सकते हैं।

6.1	समय	::	1 दिन
6.2	महिला सदस्यों की संख्या	::	08 महिलायें
6.3	कच्चे माल का स्रोत	::	स्थानीय वन क्षेत्र और निजी भूमि
6.4	उत्पादों की बिक्री के स्थान	::	स्थानीय बाजार ज्वालामुखी, नादौन और देहरा
6.5	उत्पादन चक्र (दिनों में): 25 दिन प्रतिदिन, 4 घंटे प्रतिदिन कार्य के बाद।	::	8x200 = 1600 रुपये प्रति दिन
6.6	प्रति चक्र आवश्यक श्रमिक	::	कुल- 08 सदस्य

5. कच्चे माल की आवश्यकता और अनुमोदित उत्पादन

1. विपणन/बिक्री का विवरण :

क्रम संख्या	विवरण	-	बाजार एवं विक्री
1.	संभावित बाजार के स्थान/इलाके	-	ज्वालामुखी, नादौन, देहरा
2.	माँग	-	बांस के उत्पाद (विभिन्न आकारों की टोकिरयाँ) आदि
3.	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	-	ज्वालामुखी मंदिर के उत्पाद का उपयोग प्रसाद डोना, अन्य टोकिरयाँ आदि का वितरण, देहरा (बनखंडी) के बगलामुखी मंदिर, नादौन स्थानीय बाजार में किया जाएगा।
4.	बाजार रणनीति	-	उत्पादों की मार्केटिंग के लिए गज़ेबो टेंट, आउटलेट और अन्य मेलों का उपयोग किया जाएगा।
5.	उत्पाद का ब्रांड	-	"हिम टूडिशन"

समूह के सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण:

- प्रबंधन के लिए नियम बनाए जाएंगे।
- समूह के सदस्य आपसी सहमित से कार्यों का बंटवारा करेंगे।
- आवंटन कार्य की दक्षता और क्षमता के आधार पर किया जाएगा।
- लाभ का वितरण भी कार्य की गुणवत्ता, कौशल और मेहनत के आधार पर किया जाएगा।
- विजन सदस्यों को मार्केटिंग का अनुभव है, वे बारी-बारी से मार्केटिंग करेंगे।
- प्रधान और सचिव साथ ही साथ प्रबंधन का मूल्यांकन और अवलोकन करना जारी रखेंगे।

2. ग्राहक

हमारे केंद्र के प्राथमिक ग्राहक मुख्य रूप से गहिलयां और ज्वालामुखीय क्षेत्रों के ठेकेदार और स्थानीय लोग होंगे।

10. इस व्यवसाय को शुरू करने के लिए पुनः प्रयास करें

इस स्वयं सहायता समूह के सदस्यों के पूर्व अनुभव को देखते हुए, जो पहले से ही अलग-अलग जगहों पर इसी तरह का काम कर रहे हैं, इस अंतर्निर्मित कृषि परियोजना (आईजीए) का चयन किया गया है और इसीलिए स्वयं सहायता समूह यह व्यवसाय शुरू कर रहा है। यह विभिन्न सदस्यों के कौशल को संयोजित करने और उनकी गतिविधियों को व्यापक स्तर पर विस्तारित करके आजीविका कमाने का एक प्रयास है।

11. विश्लेषण

- ताकत

- कुछ स्वयं सहायता समूह के सदस्यों द्वारा पहले से ही गतिविधियां की जा रही हैं।
- स्थानीय वन से कच्चा माल आसानी से उपलब्ध है
- निर्माण प्रक्रिया सरल है
- उचित पैकिंग और परिवहन में आसान
- परिवार के अन्य सदस्य भी लाभार्थियों के साथ सहयोग करेंगे।
- उत्पाद का शेल्फ-लाइफ लंबा है

- कमजोरी

- तकनीकी जानकारी का अभाव

- अवसर

- अच्छे उत्पादों की बढ़ती मांग

- खतरे/जोखिम

- प्रतिस्पर्धी बाजार
- प्रशिक्षण /क्षमता निर्माण एवं कौशल उन्नयन में भागीदारी के प्रति लाभार्थियों की प्रतिवद्धता का स्तर

12. मशीनरी, औजार और अन्य उपकरण

पारंपरिक झाड़ू और मशीनी का साथ-साथ उपयोग किया जाएगा। ताकि एक मूल्यवान उत्पाद बाजार में उपलब्ध हो सके और गुणवत्ता एवं मूल्य दोनों में प्रतिस्पर्धी बन सके। क्षेत्र की मांग के अनुसार, कुछ वस्तुओं का उत्पादन पारंपरिक तरीके से और कुछ का मशीनी तरीके से किया जाएगा। इसके लिए निम्नलिखित मशीनरी और उपकरणों की खरीद आवश्यक है।

ए पूंजी लागत				
क्र सं	मशीनरी का विवरण	मात्रा	प्रति इकाई दर	कुल
1	कच्चा माल (बांस)	लम सम	70 रुपये/बांस	1000/-
2	ड्रिल मशीन	लम सम	लम सम	6000/-
3	कटर	05	400	2000/-
4	ट्राट	05	450	2250/-
5	हथौड़ा	05	400	2000/-
6	रधा	05	400	2000/-
7	फेविकोल	05	लम सम	500/-
8	कलर	05		500/-
9	आरों	05	500	2500/-
10	पारेवहन	लम सम	लम सम	1250/-
	कुल पूंजी लागत =			20000 रुपये/-

बी आवर्ती लागत				
क्रमांक	विवरण	इकाई	दर	मात्रा
1.	कमरे का किराया	प्रति महीने	1500	1500
2.	पानी और बिजली	प्रति महीने	1000	1000
कुल आवर्ती लागत				2500/-

13. समूह में निधि प्रवाह:

क्र सं	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	स्वयं सहायता समूह योगदान
1	कुल पूंजी लागत	20000/-	15000/-	5000/-
2	कुल आवर्ती लागत	2500	0	2500
3	प्रशिक्षण	51000	51000	0
	कुल	73500/-	66000/-	7500/-

टिप्पणी-

- पूंजी लागत-परियोजना की कुल पूंजी लागत का 75% वहन किया जाएगा।
- आवर्ती लागत- संपूर्ण खर्च स्वयं सहायता समूह/सीआईजी द्वारा वहन किया जाएगा।
- प्रशिक्षण /क्षमता निर्माण /कौशल उन्नयन-परियोजना द्वारा वहन की जाने वाली कुल लागत

14. निधि के स्रोत और खरीद:

परियोजना सहायता;	<p>-पूँजी लागत का 75% िहस्सा मशीनों की खरीद में उपयोग िकया जाएगा।</p> <p>-स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) के बैंक खाते में 1 लाख रुपये तक की राशि एक परिक्रमी निधि के रूप में जमा की जाएगी।</p> <p>-प्रशिक्षण /क्षमता भवन निर्माण कौशल उन्नयन की लागत।</p>	सभी नियमों का पालन करते हुए मशीनों की खरीद डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा की जाएगी।
स्वयं सहायता समूह का योगदान	<p>-पूँजी लागत का 25% स्वयं सहायता समूहों द्वारा वहन िकया जाएगा।</p> <p>-स्वयं सहायता समूहों द्वारा वहन की जाने वाली आवर्ती लागत</p>	

15. प्रशिक्षण /क्षमता िनर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण /क्षमता िनर्माण/कौशल उन्नयन का खर्च परियोजना द्वारा वहन िकया जाएगा।

निम्नलिखित कुछ प्रस्तावित/आवश्यक प्रशिक्षण /क्षमता िनर्माण/कौशल उन्नयन कार्यक्रम हैं:

- टीम वर्क
- गुणवत्ता िनयंत्रण
- पैकेजिंग और िवपणन िवतीय
- प्रबंधन

16. ऋण चुकौती अनुसूची-

यदि ऋण बैंक से िलया जाता है, तो यह कैश क्रेडिट लिमिट के रूप में होगा और सीसीएल के िलए पुनर्बीमा भुगतान अनुसूची लागू होगी, हालांकि सदस्यों से मासिक बचत और पुनर्भुगतान रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।

- सीसीएल योजना के तहत, स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) के बकाया मूल ऋण का पूरा भुगतान बैंकों को साल में एक बार करना अनिवार्य है। ब्याज का भुगतान मासिक आधार पर िकया जाना चाहिए।
- साविध ऋणों में, बैंकों द्वारा निर्धारित पुनर्भुगतान अनुसूची के अनुसार भुगतान करना आवश्यक है।

17. निगरानी विधि –

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखापरीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और यदि आवश्यक हो तो इकाई के संचालन को अनुमान के अनुसार सुनिश्चित करने के लिए सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- स्वयं सहायता समूहों को प्रत्येक सदस्य के अंतर्राष्ट्रीय विकास संगठन (आईजीए) की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए और यदि आवश्यक हो, तो इकाई के संचालन को अनुमान के अनुसार सुनिश्चित करने के लिए सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

टिप्पणी

यह समूह कच्चे माल की उपलब्धता और स्थानीय वन विभाग की प्रतिक्रिया के आधार पर बांस के उत्पाद बनाएगा।

समूह फोटो: -



व्यवसाय योजना की स्वीकृति

BUSINESS PLAN APPROVAL BY VFDS & DMU

Bhagaur-II Group will undertake the *Bamboo Craft* livelihood Income Generation Activity under the project for implementation of Himachal Pradesh Forest Ecosystem Management & livelihood (JICA assisted). In this regard business plan of amount Rs. *735,000/-* has been submitted by group on *07/10/2022* And the business plan has been approved by the VFDS. *Urakhyan*

Business plan submitted through FTU for further action please.

Thank you

Nisha Rani
Signature of Group President

Bharti Devi
Signature of Group Secretary


Approved

DMU – CUM - Dehra

समूह सहमति

Resolution - cum - Group Consensus Form

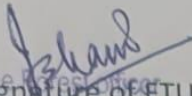
It is decided in the General House meeting of the group *Bhagwati-II* at *Grahlyan* that our group will undertake the *Bamboo Crops* as Livelihood Income Generation Activity under the Project for improvement of Himachal- Pradesh Forest Ecosystem Management & Livelihoods (JICA Assisted).

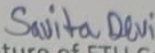
Nisha Rani
Signature's of Group Pradhan

Bharti Devi
Signature's of Group Secretary

एफटीयू के माध्यम से डीएमयू को प्रस्तुत किया गया

Submitted to DMU through FTU


Name & Signature of FTU Officer
Range Officer,
Jawalamukhi Forest Range
Distt Kangra (H.P.)-176031
kangra (H.P)


Name & Signature of FTU Coordinator

Approved


Name & Signature of DMU officer

